बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

अलविदा फिरौन!

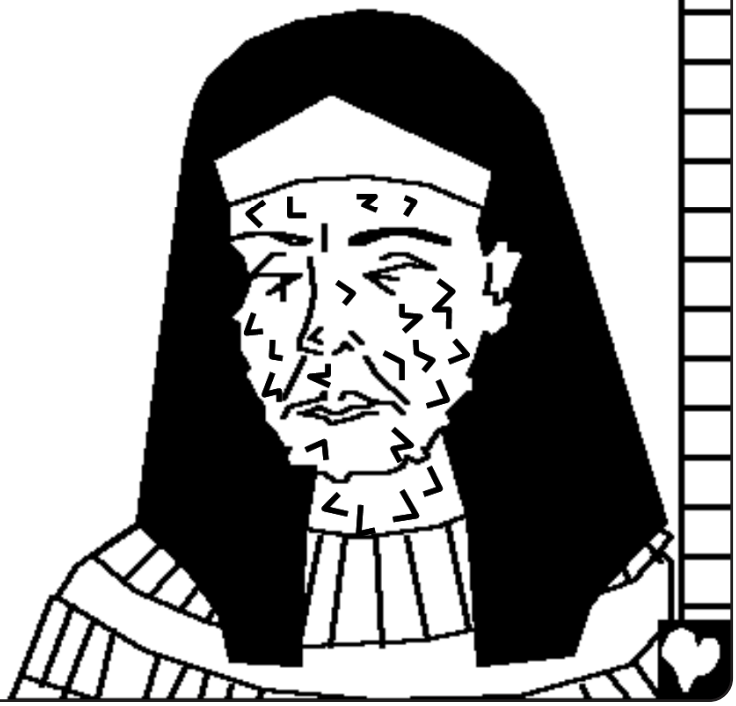

लेखक : Edward Hughes
व्याख्याकार : Janie Forest
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
रूपान्तरकार : Lyn Doerksen

60 कहानियों में से 11 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

"खुद से पुआल इकट्ठा करो। अब हम इसे उपलब्ध नहीं कराएंगे। लेकिन ईंटे उतनी ही संख्या में बननी चाहिए।"
ये सब उस फिरौन के नए आदेश थे।

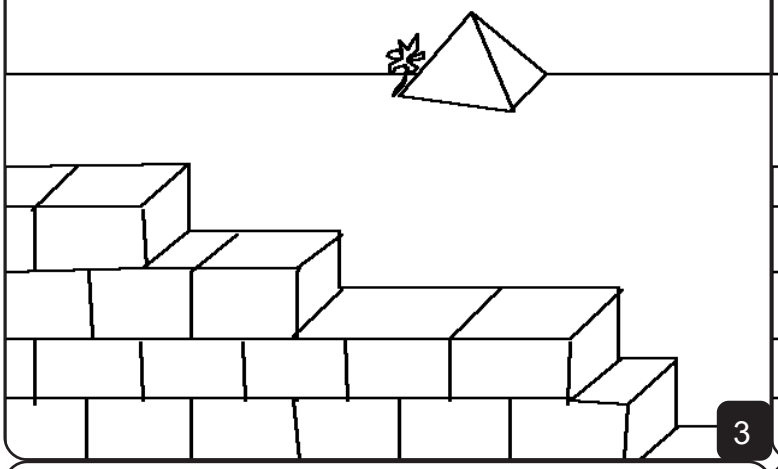

3

कुछ गुलामो के पास पुआल इकट्ठा करने और उतना ही संख्या में ईंटे बनाने के लिए पर्याप्त समय नहीं था, इसलिए टोली के मुखियों

ने उन्हें चाबूकों से मारा।

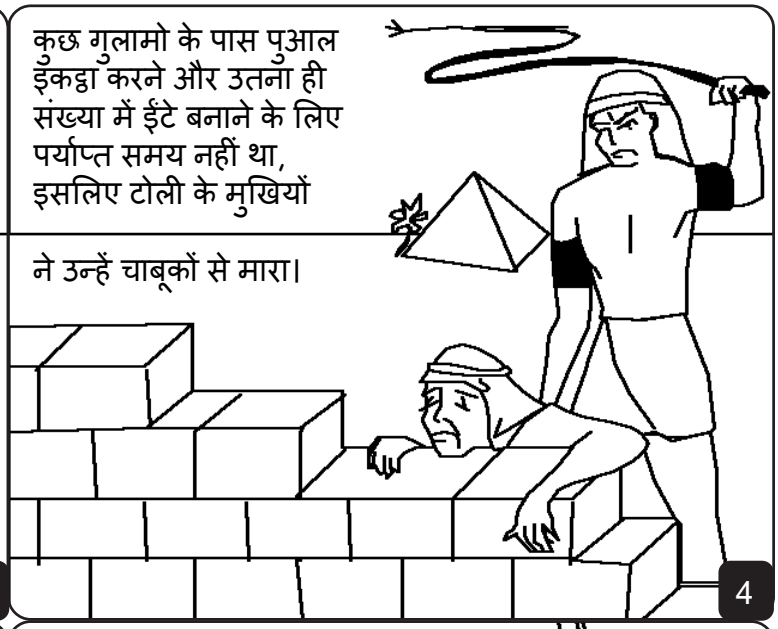

4

लोगों ने अपनी इस परेशानियों के लिए मूसा और हारून को दोषी ठहराया। मूसा को प्रार्थना करने की एक जगह मिली। उसने कहा, "हे परमेश्वर तुमने अपने लोगों को तो बिल्कुल ही नहीं बचाया है"

वह रोया परमेश्वर ने जवाब दिया, "मैं यहोवा हूं, और मैं तुम्हे निकाल कर बाहर लाऊंगा।"

5

फिर परमेश्वर ने मूसा और हारून को फिरौन के पास वापस भेजा। जब शक्तिशाली शासक ने परमेश्वर के सेवकों से एक चिंन्ह के लिए कहा,

तब हारून की छड़ी एक रेंगते हुवे साँप में बदल गयी।

6

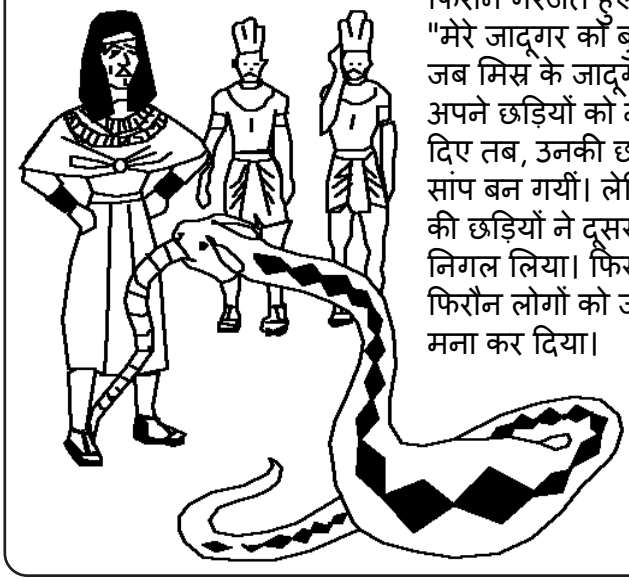

फिरौन गरजते हुए आज्ञा दी, "मेरे जादूगर को बुलाओ" जब मिस्र के जादूगरों ने अपने छड़ियों को नीचे डाल दिए तब, उनकी छड़ियां भी सांप बन गयीं। लेकिन हारून की छड़ियों ने दूसरों को निगल लिया। फिर भी, फिरौन लोगों को जाने से मना कर दिया।

7

अगली सुबह, मूसा और हारून नदी के किनारे फिरौन से मुलाकात की। जब हारून अपनी छड़ी को बाहर की ओर निकला तब, परमेश्वर ने पानी को रक्त में बदल दिया। सारी मछलियां मरने लगी! लोग इस पानी को पी नहीं सकते थे!

8

लेकिन फिरौन अपने मन को कठोर किया। उसने इस्राएलियों को मिस्र छोड़ कर जाने नहीं दिया।

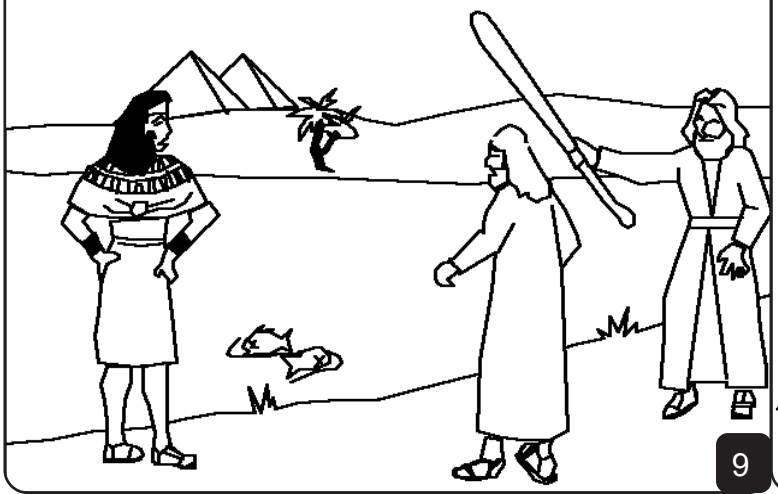

9

फिर मूसा ने फिरौन से कहा कि परमेश्वर के लोगों को जाने दो। फिरौन फिर इन्कार कर दिया। परमेश्वर एक और महामारी भेजा। पूरा मिस्र मेंढ़कों से भर गया। हर घर, हर कमरे में, यहां तक कि खाना पकाने वाले कठौती में भी मेंढक भर गये!

10

"प्रार्थन करो की परमेश्वर इन मेंढकों को हमसे दूर करे," फिरौन ने निवेदन की "और कहा मैं तुम्हारे लोगों को जाने दूंगा।" जब, मेंढ़क चले गये, तब फिरौन का मन बदल गया। मैं दासों को मुक्त नहीं करूंगा।

11

तब परमेश्वर ने अरबों की संख्या में छोटे कीड़ों, कुटकियों को भेजा। हर व्यक्ति और जानवर उनके काटने से खुजली की। लेकिन फिरौन तौभी परमेश्वर के लिए लोगों को नहीं छोड़ा।

12

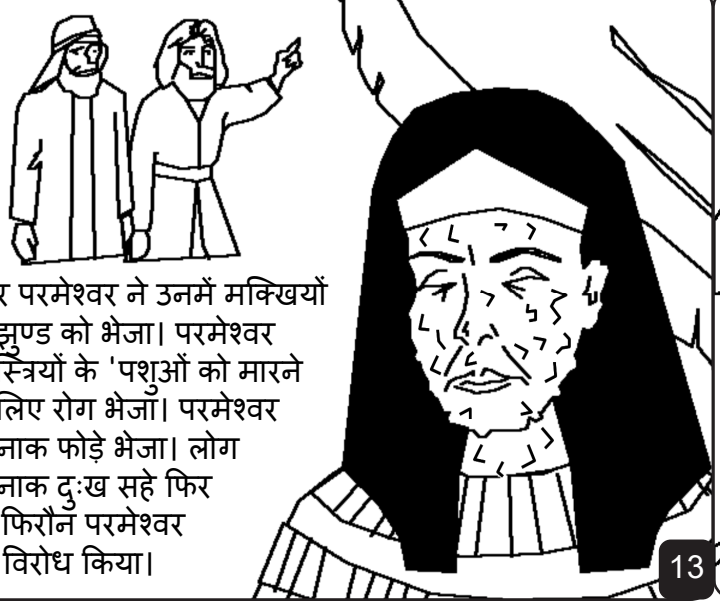

फिर परमेश्वर ने उनमें मक्खियों के झुण्ड को भेजा। परमेश्वर मिस्त्रियों के 'पशुओं को मारने के लिए रोग भेजा। परमेश्वर दर्दनाक फोड़े भेजा। लोग दर्दनाक दुःख सहे फिर भी फिरौन परमेश्वर का विरोध किया।

13

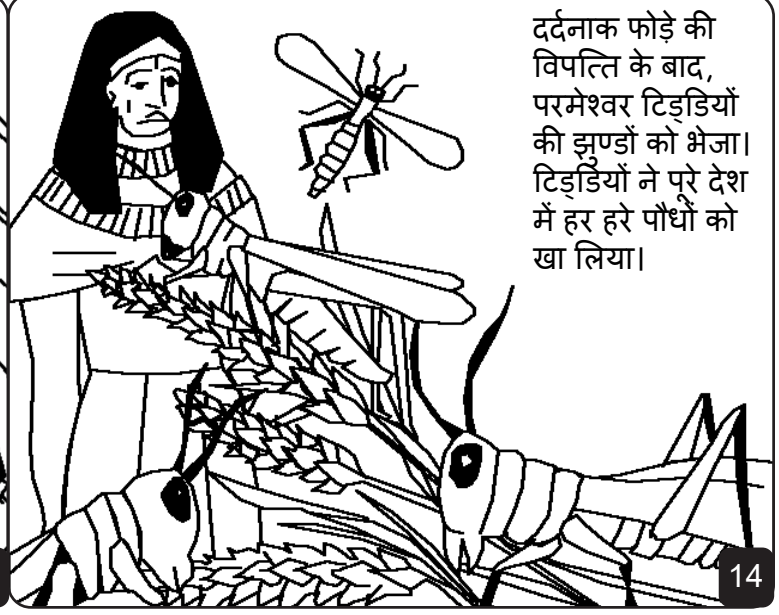

दर्दनाक फोड़े की विपत्ति के बाद, परमेश्वर टिड्डियों की झुण्डों को भेजा। टिड्डियों ने पूरे देश में हर हरे पौधों को खा लिया।

14

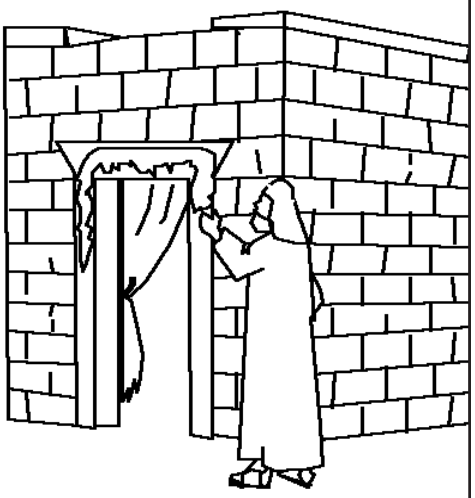

फिर परमेश्वर ने तीन दिन के घनघोर अंधेरे को भेजा। लेकिन जिद्दी फिरौन इस्राएलियों को मुक्त नहीं किया।
15

परमेश्वर ने चेतावनी दी, "मैं एक और महामारी भेजूँगा लगभग आधी रात में, आदमी और जानवरों के सब पहिलौंठे मारेजाएंगे।" परमेश्वर इस्राएलियों से कहा, अगर वे अपने घर के चौकठों पर मेमने का लहू लगाएंगे तो उनके पहिलौंठे बच जायेंगे।
16

लगभग आधी रात को, एक महान विलाप मिस्र में शुरू हुआ। मौत ने दस्तक दी। हर घर में कम से कम एक व्यक्ति की मृत्यु हुई थी।
17

"यहाँ से दूर चले जाओ," फिरौन ने मूसा से विनती की। "अपने प्रभु की सेवा के लिए" जाओ, जल्दी से, परमेश्वर के लोगों ने मिस्र की सीमा से बहार कूच किया।
18

परमेश्वर ने फसह की रात को याद रखने के लिए मूसा से कहा, क्यूंकि परमेश्वर के दूत ने इस्रायलियों के घरों से होकर गुजरा और फिरौन तथा उसके लोगों को मार डाला था।
19

मिस्र में 430 वर्ष बिताने के बाद, परमेश्वर के लोग अब आज़ाद थे। परमेश्वर दिन में बादल के खम्भे, और रात में आग के खम्भे के रूप में होकर उनका नेतृत्व किया।
20

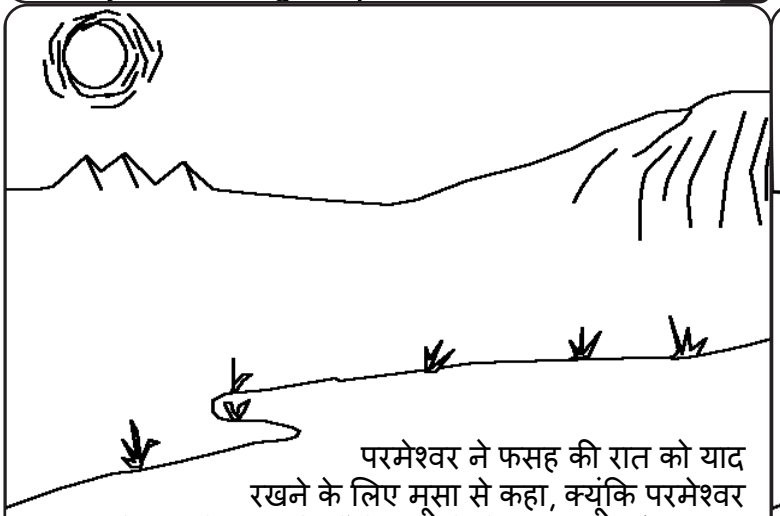

लेकिन फिरौन इस्राएलियों के साथ यहीं तक सीमित नहीं रहा। फिर से, वह परमेश्वर को भूल गया। फिर से, उसने अपना मन बदल लिया। उसकी सेना को इकट्ठा कर दासों के पीछे चल दिया। जल्द ही, वह चट्टानों और समुद्र के बीच उन्हें फंसा पाया।

21

मूसा ने कहा, "यहोवा तुम्हारे लिए खुद ही लड़ेगा" मूसा पानी के किनारे आगे गया, और अपने हाथो को फैलाया।

22

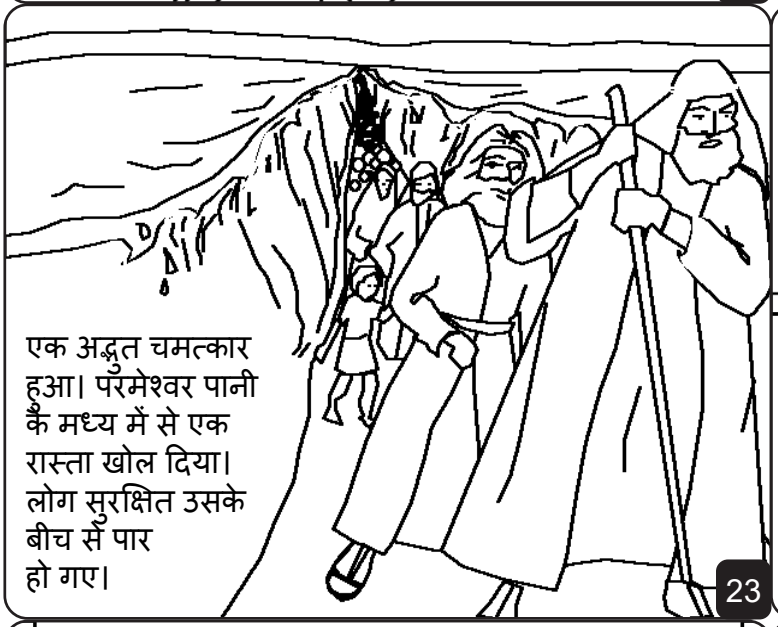

एक अद्भुत चमत्कार हुआ। परमेश्वर पानी के मध्य में से एक रास्ता खोल दिया। लोग सुरक्षित उसके बीच से पार हो गए।

23

तब फिरौन की सेना लाल सागर में प्रवेश की। सैनिकों ने सोचा, "अब हम उन्हें पकड़ लेंगे।" लेकिन परमेश्वर ने पानी को पुनः एक सा कर दिया। मानो मिस्र के शक्तिशाली सेना को समुद्र निगल लिया। अब फिरौन जान लिया की विलाप का परमेश्वर सब का परमेश्वर है।

24

अलविदा फिरौन!

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

निर्गमन 4-15

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुनः स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुनः जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.